

## सी. एलर्गिस के अनुप्रयोग द्वारा जीव वजिज्ञान में खोजें

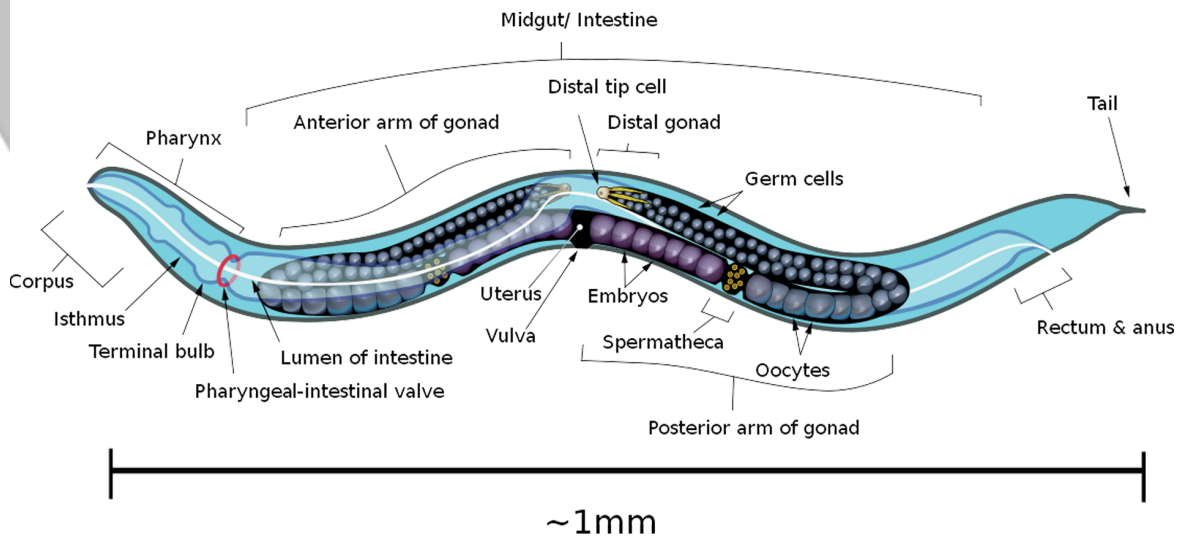
[स्रोत: द हट्टू](#)

गोल कृमा, **कैनोरहेबडाइटिस एलर्गिस** की कई नोबेल पुरस्कार विजेताओं की खोजों में प्रमुख भूमिका रही है जिससे इसकी मौलिक जैविक प्रक्रियाओं पर प्रकाश पड़ा है।

### सी. एलर्गिस से संबंधित नोबेल विजेता प्राप्त शोध:

- **वकिटर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन (वर्ष 2024 का फ़िज़ियोलॉजी या मेडिसिनि में नोबेल पुरस्कार):** इन्होंने **microRNAs** की खोज करने के साथ **जीन अभिव्यक्ति नियंत्रण** में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाया।
- **ओसामु शिमोमुरा, मार्टिन चाल्फी और रोजर त्सयिन (रसायन विज्ञान में 2008 नोबेल पुरस्कार):** इन्होंने **हरति फ्लोरोसेंट प्रोटीन (GFP)** का विकास किया, जिससे जीवित कोशिका इमेजिंग संभव होने के साथ जैविक अनुसंधान में क्रांतिकारी बदलाव आया।
  - GFP एक ऐसा उपकरण है जिसका उपयोग **आणविक एवं कोशिका जीव विज्ञान में जैविक प्रक्रियाओं को देखने तथा उन पर नगिरानी रखने** के लिये किया जाता है।
- **एंडर्यू फायर और करेग मेलो (चिकित्सा में वर्ष 2006 नोबेल पुरस्कार):** इन्होंने **RNA इंटरफेरेंस (RNAi)** की खोज की, जिससे जीन-साइलेंसिंग तकनीक में क्रांतिकारी बदलाव आया।
  - इससे यह खोज हुई कि **डबल-स्ट्रैंडेड आरएनए (dsRNA)** **वशिष्ट जीन की साइलेंसिंग शांत कर सकता है**, जिससे संभावित **चिकित्सीय अनुप्रयोगों का मार्ग प्रशस्त होता है।**
- **सडिनी बरेनर (वर्ष 2002 का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार):** इनके शोध ने **प्रोग्राम्ड कोशिका मृत्यु** को समझने में योगदान दिया।
- **सी. एलर्गिस:** इस छोटे अकशरुकी की लंबाई **सर्वाधिक 1 ममी** होती है और यह एक **पारदर्शी नमिंटोड** है।
  - **नमिंटोड (जिन्हें गोलकृमा भी कहा जाता है) बेलनाकार एवं अक्सर सूक्ष्म जीव होते हैं तथा यह मृदा और तलछट पारस्थितिकी तंत्र का एक प्रमुख घटक है।**
  - ये पशुओं या पौधों पर **परजीवी** होते हैं या **मृदा एवं जल में स्वतंत्र रूप से मलिते हैं।**

//



और पढ़ें: [फ़िज़ियोलॉजी या मेडिसिनि क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार, 2024](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/discoveries-in-biology-using-c-elegans>

